भारत - स्पेन संबंध

1956 में जब से राजनयिक संबंध स्थापित हुए हैं तभी से भारत और स्पेन के बीच संबंध मधुर हैं। 1958 में राजदूत की अध्यक्षता में मैड्रिड में एक भारतीय मिशन खोला गया। भारत का पहला रेजीडेंट राजदूत 1965 में नियुक्त किया गया।

उच्च स्तरीय यात्राएं :

भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष द्वारा स्पेन की पहली राजकीय यात्रा राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील द्वारा 20 से 23 अप्रैल, 2009 के दौरान की गई थी। तत्कालीन नरेश महामहिम किंग जुआन कार्लोस प्रथम ने एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ 24 से 27 अक्टूबर 2012 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया, जिसमें स्पेन के विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, उद्योग, ऊर्जा एवं पर्यटन मंत्री तथा अवसंरचना एवं परिवहन मंत्री शामिल थे। इस यात्रा के दौरान अनेक क्षेत्रों में क्षेत्रों में करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जैसे कि दोहरा कराधान परिहार तथा राजकोषीय अपवंचन की रोकथाम; रक्षा सहयोग; सड़क परिवहन क्षेत्र; श्रव्य - दृश्य सह उत्पादन तथा रेलवे।

वर्तमान नरेश महामहिम फिलिप VI ने 10 से 12 नवंबर 2009 तक क्राउन प्रिंस के रूप में अपने पहले आधिकारिक दौरे पर भारत का दौरा किया था जिसके दौरान उन्होंने नई दिल्ली में सेरवांटेस संस्थान का उदघाटन किया। इससे पहले वह क्राउन प्रिंस के रूप में फरवरी, 2001 और अक्टूबर, 1997 में भारत का दौरा कर चुके हैं। स्पेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगुएज जेपाटेरो ने 3 जुलाई, 2006 को भारत का राजकीय दौरा किया। भारत के किसी प्रधानमंत्री द्वारा स्पेन की पिछली अकेली द्विपक्षीय यात्रा श्री राजीव गांधी द्वारा 1988 में की गई।

एच ओ एम सम्मेलन के लिए तत्कालीन विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने 19 से 23 अप्रैल, 2012 के दौरान स्पेन की यात्रा की। भारत की ओर से स्पेन की उच्च स्तर पर हाल की अन्य यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने 27 से 29 फरवरी 2012 तक स्पेन का दौरा किया, पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 29 जनवरी से 3 फरवरी 2013 तक स्पेन का दौरा किया, स्वास्थ्य मंत्री ने 28 अक्टूबर से 1 नवंबर 2014 तक स्पेन का दौरा किया और शहरी विकास मंत्री ने 17 से 20 नवंबर 2014 तक स्पेन का दौरा किया।

वर्ष 2015 के दौरान स्पेन की ओर से भारत की अनेक यात्राएं की गई हैं। व्यापार मंत्री श्री जैमी गार्सिया लेगज ने आर्थिक सहयोग पर भारत - स्पेन संयुक्त आयोग की 10वीं बैठक में भाग लेने के लिए 2 फरवरी 2015 को भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री श्री इग्नासियो यबानेज रूबियो ने विदेश कार्यालय परामर्श के लिए 2 मार्च 2015 को भारत का दौरा किया। स्पेन के रक्षा मंत्री ने 4 और 5 मार्च 2015 को भारत का दौरा किया। स्पेन के विदेश मंत्री ने 27 अप्रैल, 2015 को भारत का दौरा किया। रक्षा राज्य मंत्री ने 27 और 28 सितंबर को भारत का दौरा किया। इसके बाद नवंबर में नई

दिल्ली में रक्षा सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक हुई। भारत की ओर से, संयुक्त सचिव (निरस्त्रीकरण एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामले) के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 21 और 22 सितंबर, 2015 को पहली सुरक्षा नीति वार्ता के लिए स्पेन का दौरा किया। वाणिज्य सचिव ने 11 से 14 अक्टूबर, 2015 के दौरान स्पेन का दौरा किया। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री ने 26 से 28 अक्टूबर 2015 के दौरान स्पेन का दौरा किया।

अप्रैल 2015 में स्पेन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों पक्षों द्वारा एक संयुक्त विज्ञप्ति भी जारी की गई जिसमें भविष्य में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों को रेखांकित किया गया जिसके तहत रक्षा एवं परमाणु सहयोग, व्यापार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र शामिल हैं। 2016 में भारत - स्पेन राजनयिकों संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, मंत्री वर्ष के लिए गतिविधियों का एक कार्यक्रम तैयार करने पर सहमत हुए हैं। विज्ञप्ति में द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने के लिए विशिष्ट कार्य बिन्दुओं को उजागर किया गया है जिसमें साझी सामरिक सुरक्षा चुनौतियों का आकलन करने के लिए भारत के विदेश मंत्री और स्पेन के विदेश मामले एवं सहयोग मंत्री के नेतृत्व में एक सुरक्षा नीति वार्ता; अपने अपने थिंक टैंकों तथा शैक्षिक संस्थाओं से विदेश मामले एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में विशेषज्ञों के बीच सहयोग; और दोनों देशों के राजनयिक प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग शामिल है।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध :

वर्ष 2015 में भारत और स्पेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार (जनवरी से मई) 3 बिलियन अमरीकी डालर था। इस अवधि के दौरान स्पेन की ओर से भारत को निर्यात का मूल्य 1 बिलियन अमरीकी डालर था भारत की ओर से स्पेन को निर्यात का मूल्य 2.2 बिलियन अमरीकी डालर था। स्पेन यूरोपी संघ में भारत का सातवां सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है।

भारत की ओर से स्पेन को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से जैविक रसायन, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, लोहा एवं इस्पात के उत्पाद, आटोमोटिव कंपोनेंट, समुद्री उत्पाद, लेदर गुड्स शामिल हैं। भारत द्वारा स्पेन से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से मशीन एवं यांत्रिक उपस्कर, वाहन एवं आटोमोबाइल, प्लास्टिक की निर्मित वस्तुएं, विद्युत उपकरण, रबर एवं रबर के उत्पाद तथा ओलिव / ओलिव ऑयल शामिल हैं।

1.8 बिलियन डालर के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के साथ स्पेन भारत में 12वां सबसे बड़ा निवेशक है, जो अधिकांशत: अवसंरचना (इसोलक्स कोर्सन, ग्रुपो सैन जोस), नवीकरणीय ऊर्जा (गैमेसा), आटो कंपोनेंट (जेस्टैंप), जल विलवणीकरण (अबेनगोवा) और सिंगल ब्रांड रिटेल (इंडीटेक्स - जैरा / मैंगो) में है। स्पेन की लगभग 200 कंपनियों के भारत में संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियां, परियोजनाएं या संपर्क कार्यालय और क्रय कार्यालय हैं। स्पेन में 30 से अधिक भारतीय कंपनियां हैं जिनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण कंपनियां सूचना प्रौद्योगिकी (टी सी एस, टेक महिंद्रा), ऊर्जा (अवंथा) और

आटोमोबाइल (महिंद्रा) के क्षेत्रों में हैं। स्पेन में भारतीय निवेश का मूल्य लगभग 800 मिलियन यूरो है।

भारत - स्पेन संयुक्त आर्थिक आयोग (जे ई सी) का गठन 1972 के व्यापार एवं आर्थिक सहयोग करार के तहत किया गया है, अब तक इसकी 10 बैठकें हो चुकी हैं। संयुक्त आर्थिक आयोग की दसवीं बैठक 2 फरवरी 2015 को नई दिल्ली में हुई थी तथा इसकी अध्यक्षता भारत के वाणिज्य सचिव श्री राजीव खेर और उनके स्पेन के समकक्ष श्री जैमी ग्रैसिया लेगाज पोंस, स्पेन के व्यापार सचिव द्वारा की गई।

स्पेन के मैड्रिड और बार्सिलोना नामक शहरों में अनेक महत्वपूर्ण ट्रेड फेयर का आयोजन होता है जिसमें भारतीय कंपनियां अपने उत्पादों एवं प्रौद्योगिकी का प्रचार - प्रसार करने के लिए नियमित रूप से भाग लेती हैं। मार्च 2015 में, चमड़ा निर्यात परिषद (सी ई एल) ने मैड्रिड में एक क्रेता - विक्रेता बैठक का आयोजन किया। फुटवियर एवं चमड़े के सामान इस कार्यक्रम के फोकस थे। 13 से 15 अक्टूबर के दौरान मैड्रिड में आयोजित सी पी एच एल विश्वव्यापी फार्मा प्रदर्शनी में काफी संख्या में भारतीय कंपनियों ने भाग लिया। डा. समीर शर्मा, अपर सचिव (स्मार्ट शहर), शहरी विकास मंत्रालय (एम ओ यू डी) के नेतृत्व में भारत के एक शिष्टमंडल ने 17 से 19 नवंबर, 2015 के दौरान बार्सीलोना में आयोजित स्मार्ट सिटी एक्सपो बर्ल्ड कांग्रेस में भाग लिया। बंगाल वैश्विक व्यवसाय शिखर बैठक में स्पेन की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री डा. अमित मित्रा ने 26 से 28 अक्टूबर, 2015 के दौरान स्पेन का दौरा किया।

सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंध :

सांस्कृतिक आदान-प्रदान भारत - स्पेन द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण घटक है। स्पेन के विभिन्न भागों में परफार्मेंस के लिए आई सी सी आर सांस्कृतिक मंडलियों की यात्राओं को प्रायोजित करता है तथा भारत में पढ़ाई करने के लिए स्पेन के छात्रों को हर साल पांच छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है। भारतीय मिशन 'होला नमस्ते' नामक एक तिमाही प्रकाशन निकलता है जिसमें भारत की समकालीन घटनाओं पर लेख होते हैं।

संस्कृति, शिक्षा, सहयोग और उद्यम के क्षेत्र में भारत - स्पेन साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में 2003 में इंडिया हाउस की स्थापना की गई। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, वल्लाडोलिड शहर परिषद तथा वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय इसके प्रमुख संरक्षक हैं।

2015 के दौरान भारतीय कलाकारों जैसे कि डा. जयंत कुमार दास (रूद्र वीणा), पंडित संदीप चटर्जी (संतूर), सुश्री आर्यानी भार्गव (भरतनाट्टयम), गुंडेचा ब्रदर्स (ध्रुपद गायन) और सुश्री ज्योत्सना जगन्नाथन (भरतनाट्यम) ने स्पेन के विभिन्न भागों में अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया है। 2015

में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित प्रदर्शनियां - 'भारत में धर्म' और 'भारत की धाराएं' - भी स्पेन के विभिन्न शहरों में लगाई गईं।

21 जून, 2015 को पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित प्लाजा डे कोलोन में एक मेगा मास्टर क्लास में 1200 से अधिक योग उत्साहियों ने भाग लिया और इसके बाद योग पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मैड्रिड में मुख्य कार्यक्रम के अलावा, पूरे देश के 17 शहरों में आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए कामन योग प्रोटोकॉल का अनुसरण किया गया।

आई सी सी आर तथा कासा डे ला इंडिया के साथ मिलकर तथा भारतीय दूतावास की मदद से वल्लाडोलिड शहर परिषद, काल्डरोन थिएटर, टीम वर्क आर्ट्स - इंडिया ने 'फ्लेमेंको इंडिया' नामक एक भारत - स्पेन थिएटर सह निर्माण कार्यक्रम शुरू किया। इसे स्पेन के मशहूर निर्देशक श्री कार्लोस सौरा द्वारा निर्देशित किया गया है जो भारत के संगीत के विभिन्न रूपों के साथ फ्लेमेंको की जड़ों एवं संबंध की तलाश करता है तथा इसमें दोनों देशों के कलाकारों ने अभिनय किया है। शो का वर्ल्ड प्रीमियम अक्टूबर 2015 में था।

2016 में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर समारोहों की शुरूआत 9 जनवरी को कैस्टिला लियन के सिम्फोनी आर्केस्ट्रा के साथ असाधारण नव वर्ष कंसर्ट में डा. एल सुब्रमणियम एवं उनके एनसेंबल की भागीदारी से हुई। इसके अलावा, स्पेन के विभिन्न शहरों में भारतीय सांस्कृतिक गतिविधियों के उद्घाटन के अंग के रूप में सुश्री बिंदु सुब्रमणियम के नेतृत्व में 'सुब्रा मैनिया' ग्रुप ने वल्लाडोलिड, मैड्रिड एवं बिल्बाओ में लोकप्रिय म्यूजिक कंसर्ट प्रस्तुत किया।

विरासत संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्रों में वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय, स्पेन की अहमदाबाद विश्वविद्यालय के साथ एक अनवरत व्यवस्था है। वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय में एक हिंदी पीठ की स्थापना के लिए 2 अक्टूबर 2015 को आई सी सी आर और वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

मैड्रिड में इंडोलाजी संस्थान स्पेन में भारत के हितैषियों एवं शिक्षाविदों की एक निजी पहल है। यह संस्थान भारत पर केंद्रित शैक्षिक गतिविधियों का नियमित रूप से आयोजन करता है जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण भारत पर ग्रीष्म पाठ्यक्रम और वसंत पाठ्यक्रम हैं। ग्रीष्म पाठ्यक्रम 2015 का आयोजन जुलाई 2015 में भारतीय दूतावास के सहयोग से किया गया। स्पेनिश एसोसिएशन फार इंटर डिसिप्लीनरी इंडियन स्टडीज (स्पेनिश में ए ई ई आई आई) विभिन्न स्थानों पर हर दूसरे साल भारत पर सेमिनारों का आयोजन करता है।

भारतीय समुदाय :

स्पेन की उत्प्रवासी आबादी में भारतीय समुदाय का प्रतिशत बहुत छोटा है। एशियाई समुदायों में, चीन एवं पाकिस्तान के बाद भारतीय डायसपोरा तीसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। सबसे पहले बसने वालों में सिंधी थे जो 19वीं शताब्दी के अंत में उप महाद्वीप से आए थे और कैनरी द्वीप में बस गए। 1950 और 1960 के दशकों में अनेक अन्य लोग अफ्रीका से चलकर स्पेन पहुंचे, जबकि अन्य लोग सीधे भारत से यहां आए। स्पेन की सांख्यिकी के अनुसार स्पेन में निवासी भारतीय आबादी 2001 में 9000 थी जो 30 जून 2015 तक की स्थिति के अनुसार 34761 हो गई है। 31 जनवरी 2016 तक की स्थिति के अनुसार 547 भारतीय छात्र स्पेन में पढ़ाई कर रहे हैं।

उपयोगी संसाधन :

- मिशन की वेबसाइट : www.embassyindia.es
- भारतीय मिशन के द्विवार्षिक संगीत महोत्सव 'इंडिया एंड कंसर्ट' की वेबसाइट : www.indiaenconcierto.es
- मिशन के फेसबुक पेज का लिंक : https://www.facebook.com/IndiaInSpain
- मिशन द्वारा प्रकाशित मैगजीन 'होला नमस्ते' का लिंक : http://www.embassyindia.es/archives/documents/holanamaste/HolaNamaste-abril-junio15.pdf
- स्पेन पर ए आई आर एफ एम गोल्ड के इंडिया ग्लोबल कार्यक्रम का लिंक : http://www.youtube.com/watch?v=ZOwruToDy4c

अनुबंध

द्विपक्षीय करार

भारत ने स्पेन के साथ निम्नलिखित करार / संधियां की हैं :

1. व्यापार एवं आर्थिक सहयोग पर करार (1972)
2. सांस्कृतिक सहयोग करार (1982) 2005-08 की अवधि के लिए सी ई पी पर हस्ताक्षर मार्च, 2005 में किए गए
3. नागर विमानन करार (1986)
4. दोहरा कराधान परिहार करार (1993)
5. द्विपक्षीय निवेश संरक्षण एवं संवर्धन करार (1997)
6. प्रत्यर्पण संधि (2002)
7. राजनीतिक वार्ता को संस्थानीकृत करने के लिए एम ओ यू (2006)
8. आपराधिक मामलों पर परस्पर कानूनी सहायता संधि (2006)

9. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) तथा औद्योगिक प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के बीच एम ओ यू (2006)
10. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (2007)
11. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए एम ओ यू (अप्रैल, 2009)
12. पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू (अप्रैल, 2009)
13. नवीकरणीय ऊर्जा पर एम ओ यू (अप्रैल, 2009)
14. आय पर तथा पूंजी पर करों के संबंध में राजकोषीय अपवंचन की रोकथाम तथा दोहरा कराधान परिहार के लिए भारत और स्पेन के बीच अभिसमय को संशोधित करने के लिए प्रोटोकाल, जिस पर मूल रूप से हस्ताक्षर फरवरी, 1993 में नई दिल्ली में किया गया (अक्टूबर, 2012) अक्टूबर, 2012
15. रक्षा सहयोग पर एम ओ यू (अक्टूबर, 2012) अक्टूबर, 2012
16. सड़क एवं सड़क परिवहन क्षेत्र पर एम ओ यू (अक्टूबर, 2012) अक्टूबर, 2012
17. श्रव्य - दृश्य सह निर्माण के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और स्पेन के बीच करार (अक्टूबर, 2012)
18. रक्षा के क्षेत्र में वर्गीकृत सूचना के संरक्षण पर करार (मार्च 2015)।
19. वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय में एक हिंदी पीठ की स्थापना के लिए आई सी सी आर और वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू (अक्टूबर 2015)